

या स्त्री ... पतिम् पुरुषान्तरोपगमनात् लङ्गयेत्.)
c. अभि transsilire. MAN. 4. 54.

c. अत्र कालम् अत्र^o tempus transigere. GHAT. 7.

c. वि transgredi, peccare. RAGH. 9. 741. Relinquere, ab-
jicere. RAGH. 3. 4.: अभिलाषे ... तथाविधे मनो ब्र-
न्धा 'न्यरसान् विलङ्गय्य (schol. त्यक्त्वा).

लङ्गन n. (r. लङ्ग s. अत्र) 1) transgressio. BR. 2. 34.
2) contemptio, repudiatio, rejectio. UR. 33. 15.

लङ्ग 1. P. लङ्गामि (लङ्गणे) notare; v. लाङ्गू.

1. लङ्ग 6. A. erubescere, pudere. V. लङ्ग et cf. लङ्ग, रङ्ग.

2. लङ्ग 1. P. (भर्त्सने) minari; deridere. V. लङ्ग.

लङ्ग 6. P. A. (scribitur लङ्ग, gr. 110^b.) erubescere, pu-
dere. DR. 5. 2.: महारथान् अतिब्रुवन् मूढ न ल-
ङ्गसे कथम्; MAN. 12. 35. 37.: लङ्गति; MAH. 3. 13837.:
लङ्गन्ति. — Part. pass. लङ्गन् et लङ्गित pudore af-
fectus, pudibundus. V. 1. लङ्ग.

c. वि id. MAH. 3. 2217.: विलङ्गमाना.

c. सम् id. R. Schl. II. 55. 16.: संलङ्गमाना.

लङ्गा f. (r. लङ्ग s. आ) pudor. IN. 5. 36.

लङ्गावत् (a praec. s. वत्) pudore affectus, pudibundus.
N. 3. 18.

1. लङ्ग 1. P. (भर्त्सने, scribitur लङ्ग, gr. 110^a.) i. q. 2. लङ्ग.

2. लङ्ग 10. P. (भानिकेतनहिंसाबलदानेषु क. भाषट्टा-
र्थे V.; scribitur लङ्ग, gr. 110^a.) splendere; habi-
tare; laedere, occidere; robustum esse; dare; loqui.

3. लङ्ग 10. P. (भासने) splendere.

लङ् 1. P. (बाल्ये क. बाल्योक्तौ V.) puerilem esse; puerili-
ter, inepte loqui.

1. लङ् 1. P. (विलासे) ludere, jocari. Cf. लल्.

2. लङ् 10. P. लडयामि (आक्षेपे क. क्षेपे V.) jacere, conji-
cere, dejicere, prosternere. V. लाङ्, लाङ्.

3. लङ् 10. P. लडयामि (जिह्वान्मथने क.) linguam exse-
rere.

4. लङ् 10. P. लाडयामि (उपसेवायाम् क. उपसेवने V.)
colere, venerari; ministrare. Cf. लल्.

5. लङ् 10. A. लाडये (वीप्सायाम् क. वीप्से V.) desiderare,
optare.

1. लाङ् 1. et 10. A. (उत्क्षेपे) extollere, in altum tollere.
V. ओलाङ्.

2. लाङ् 1. et 10. P. (भाषणे क. भाषे V.) loqui.

लता f. planta repens. H. 4. 23.

लप् 1. P. 1) loqui. GITA-G. 1. 41.: लपितुङ् किम् अपि
श्रुतिमूले. 2) queri, lamentari. NALOD. 3. 27.: ललाप
(schol. विललाप). — Intens. queri, lamentari. MAH. 3.
10200.: लालप्यै 'व सकरणम्; R. Schl. II. 75. 45.: ला-
लप्यमानस्य ... मुङ्गुर्मुङ्गु निःश्वसतश्च घर्म सा तस्य
शोकेन जगाम रात्रिः; MAH. 1. 968.: लालप्यतस् तस्य
भार्यार्थे दुःखितस्यच (लालप्यतस् pro लालप्यमानस्यं,
v. gr. 597.); 1. 4168. 6557. 8449. (Cf. रप्, hib. labhram
«I say, speak», labhradh «speech, speaking, discourse»;
lat. loquor, mutato p in qu sicut e. c. in quinque = पञ्च;
lā-mentum, gr. λάλος, λαλέω per redupl., abjectā radi-
cis litterā finali; lith. lėpju jubeo. Huc etiam pertinere
videntur nonnullae quae labium vel lambere significant
voces: lith. lupa labium, russ. ruba, pers. leb, lat. labium,
labrum, lambo; anglo-sax. lapie lambo, germ. vet. laffu
lambo, lefs labium; v. लपन.)

c. अप recusare, denegare. R. Schl. II. 75. 24.: यज्ञदक्षि-
णाम्.

c. आ loqui, alloqui. DR. 3. 3.: अरण्ये कथम् एकम् एका
त्वाम् आलपेयम्.

c. प्र 1) loqui. BH. 5. 9. 2) blaterare, garrere. SAK. 32. 3.:
प्रलपत्य एष वैधेयः. 3) lamentari. R. Schl. II. 64. 1.
4) cum lamentatione alloqui aliquem, c. acc. MAH. 2.
2339.: ताम् ... प्रलपन्तीं स्म पाण्डवान् दुःशासनः
सभामध्ये विचकर्ष.

c. वि queri, lamentari. H. 1. 28.: शोकपरीतात्मा विल-
लाप. ATM. N. 21. 16.: एवं विलपमाना. Trans. 1) cum
lamentatione eloqui aliquid. MAH. 2. 2343.: पतिता वि-
ललापे 'दम्; N. 13. 43.: एवमादीनि ... विलप्य व-